भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2311

सोमवार, 3 अगस्त, 2026/12 श्रावण, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

बलिया में पर्यटन का विकास और प्रचार-प्रसार

2311. श्री सनातन पांडेय:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि बलिया लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में पर्यटन अवसंरचना, पर्यटक सुविधाओं और इसके प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन की अत्यधिक संभावनाएं हैं;

(ख) क्या सरकार ने तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक एवं विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना के अंतर्गत बलिया क्षेत्र में किसी धार्मिक या ऐतिहासिक स्थल के विकास के लिए किसी परियोजना का प्रस्ताव किया है या उसे स्वीकृति दी है;

(ग) यदि हां, तो उक्त परियोजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों, अनुमानित लागत और वर्तमान प्रगति का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का इस क्षेत्र में पर्यटन अवसंरचना तथा पर्यटक सुविधाओं को बढ़ावा देने और इसके प्रचार-प्रसार के लिए कोई अतिरिक्त योजना या वित्तीय सहायता प्रदान करने का विचार है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन स्थलों और पर्यटन उत्पादों की पहचान, विकास तथा संवर्धन का कार्य मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। हालाँकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' - स्वदेश दर्शन 2.0 की एक उप-योजना तथा 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को योजना के दिशा-निर्देशों एवं सरकारी निर्देशों के अनुपालन, विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआर) की प्रस्तुति, निधियों की उपलब्धता, परस्पर प्राथमिकता आदि के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना के विकास के प्रयासों को संपूरित करता है।

वर्तमान में, प्रशाद योजना के अंतर्गत बलिया क्षेत्र में किसी भी धार्मिक या ऐतिहासिक स्थल के विकास का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत 67.51 करोड़ रुपये की लागत की 'बिजनौर - मेरठ - कानपुर - कानपुर देहात - बांदा - गाजीपुर - सलेमपुर - घोसी - बलिया - अंबेडकर नगर - अलीगढ़ - फतेहपुर - देवरिया - महोबा - सोनभद्र - चंदौली - मिश्रिख - भदोही का विकास' नामक परियोजना को मंजूरी प्रदान की है।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय देश के पर्यटन स्थलों और उत्पादों का समग्र रूप से संवर्धन करता है। पर्यटन स्थलों और उत्पादों को अतुल्य भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म (आईआईडीपी) के माध्यम से प्रदर्शित किया जाता है, जो अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से नियमित रूप से इन स्थलों और उत्पादों का प्रचार करता है।

*****